छा० हू०/ प्रपत्र सं० 38

अनुसूची 47, प्रपत्र सं0 137

मृत्यु-समीक्षा-रिपोर्ट

[नियम 199 (ख)]

1. थाना-केस-निर्देश, शव की जांच की तिथि और समय । जांच की तिथि	पटना जंक्शन (राजेन्द्रनगर) रेल थाना कांड सं 232/2013 दिनांक 31.7.2013 धारा- 302/201 भादवि - 1.8.2013 समय – 6.15 बजे
2. मृतक का नाम और उपनाम तथा पिता का नाम, निवास-स्थान, लगभग उम्र तथा लिंग ।	अज्ञात उम्र – लगभग- 45 वर्ष लिंग - पुरुष
3. जहां शव पाया गया वह स्थान, समय और तिथि ।	राजेन्द्रनगर २ कोचिंग कम्पलेक्स के पुर्बी भाग में Garbage Area के पास। राजेन्द्रनगर २ के ज्ञानकुंज की ओर जाने वाली मुख्य पक्की सड़क से 12 फीट उत्तर। जहां पर बाउन्ड्री वाल टुटा हुआ है। समय - 19.00 बजे दिनांक 31.7.2013
4. शव का विवरण और वह किस स्थिति में पाया गया। लगभग ऊंचाई, पहचान-चिह्न, आंखों के रंग और बाल आदि का उल्लेख करें।	दाहिने करवट लेटा हुआ, दोनों केहुनी मुड़ा हुआ हथेली चेहरा के पास, पैर पेट की ओर मुड़ा हुआ। आंख- खुला, बाल - अधपका, रंग - सांवला, सिर-उत्तर.
5. शरीर पर दिखाई पड़नेवाली चोट और घाव या अन्य प्रकार के चिह्न तथा वह या वे हथियार जिससे ये किए गए प्रतीत हों।	चेहरा पुरा काला पड़ा हुआ, मुंह- खुला जीभ पड़ा हुआ। चेहरा एवं हाथ के ऊपर का चमड़ी गला एवं छिलाया जैसा। चेहरा पुरी तरह विकृत जैसा। पैर का भी चमड़ी गला हुआ एवं छिलाया जैसा। चेहरा पर जख्म के निशान गर्दन का चमड़ी छिला एवं जख्म जैसा।
6. वे परिस्थितियां, यदि कोई हों, जिनसे किसी कूटकर्म का सन्देह उत्पन्न हो ।	शव को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि अन्यत्र कहीं हत्या कर शव को R.N.C.C में लाकर फेंक दिया गया है। शव काफी बदबु दे रहा है।
7. शव पर या उनके निकट पाये गए वस्त्र, आभूषण, हथियार और अन्य सामग्रियों की सही सूची और विवरण ।	एक उजला रंग का छिलाया हुआ हाफ गंजी पहना हुआ एवं डोरी वाला पैजामा पहना हुआ।
(1) जयबली कुमार पे० रामावतार राम 8. मृत्यु के कारण के संबंध में गवाहों की राय सा० गजधर जैन्तानगोसाम थाना जयनगर जो गवाहों द्वारा जिनके हस्ताक्षर। (2) प्रेम कुमार पे० कामेश्वर सिंह ग्राम- सोनिवाला, थाना- [illegible]	चेहरा एवं गर्दन पर चोट के निशान से ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं अन्यत्र हत्या कर शव को R.N.C.C के कम्पाउन्ड में लाकर फेंक दिया गया है (1) Jaibaly Kumar 1/8/13 (2) [illegible] Kumar 1/8/13
9. मृत्यु के कारण के संबंध में आरक्षी-अधिकारी की राय और उसका हस्ताक्षर ।	चेहरा एवं गर्दन पर चोट के निशान से ऐसा प्रतीत होता है कि हत्या की गई है

Ajay Kumar.
1.8.2013
I/c Rail P. P R.Nagar
Camp- R.N.C.C

ध्यातव्य :---शव को अन्त्य-परीक्षा के लिए भेजते समय इसे शव के साथ भेजा जाए ।

पुलिस — 9